पुष्कर नगर परिषद में रिश्वत मामले में फरार सहायक अभियंता गिरफ्तार

इससे पहले चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं

अजमेर/ पुष्कर, (कासं)। पुष्कर नगर परिषद में भ्रष्टाचार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर टीम ने कार्रवाई करते हुए जेईएन रिश्वतकांड में फरार चल रहे एईएन (सहायक अभियंता) मुकेश चौहान को गिरफ्तार किया है। एसीबी के एडिशनल एसपी राकेश वर्मा ने एईएन चौहान को कोर्ट में पेश किया, जहां उसे एक दिन के रिमांड सौंपा गया है। एईएन चौहान ने नगर परिषद के टेंडर बिल भुगतान और क्वालिटी कंट्रोल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने की एवज में ठेकेदार से 60 हजार सहित 2.60 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। मामले में पूर्व में जेईएन रामनिवास मीणा और जमादार महेश मीणा को गिरफ्तार कर चुकी है।

जानकारी के अनुसार जेईएन रामनिवास मीणा ने ठेकेदार विष्णु गुप्ता से नगर परिषद के कार्यों के बिल का भुगतान करने और क्वालिटी कंट्रोल रिपोर्ट पर साइन करने के बदले 2.60 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। ठेकेदार का 12.33 लाख रुपए का बकाया था जिसमें से 8.50 लाख रुपए का भुगतान हो चुका था। शेष राशि के लिए 2 लाख रुपए जेईएन मीणा और 60 हजार रुपए एईएन चौहान के लिए बतौर कमीशन मांगे गए। ट्रेप कार्रवाई से पहले ही एईएन चौहान 50 हजार रुपए लेकर जयपुर फरार हो गया था, लेकिन एसीबी की टीम ने उसे तलाश कर गिरफ्तार कर लिया। हालांकि रिश्वत की पूरी रकम अब तक बरामद नहीं हो पाई है। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश वर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

आरोपी एईएन चौहान।

- सहायक अभियंता मुकेश चौहान को एसीबी ने कोर्ट में पेश किया, एक दिन की रिमांड पर सौंपा
- एईएन ने टेंडर बिल भुगतान और क्वालिटी कंट्रोल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने की एवज में ठेकेदार से 60 हजार सहित 2.60 लाख की रिश्वत मांगी थी
- मामले में पूर्व में जेईएन रामनिवास मीणा और जमादार महेश मीणा को एसीबी की टीम गिरफ्तार कर चुकी है

दीवार टूटी होने से सफाई कर्मचारी की नाले में बहने से मौत

मांगों को लेकर परिजनों व लोगों ने धरना देकर नारेबाजी की।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कावाखेड़ा चौकी के निकट नाले की दीवार टूटी होने के चलते एक सफाई कर्मचारी नाले में बह गया। आक्रोशित समाज के लोगों ने दोषी अधिकारी, कर्मचारियों पर कार्रवाई के साथ ही उचित मुआवजे की मांग को लेकर एमजी हॉस्पिटल मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा नगर निगम में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत 52 वर्षीय शिवचरण गौरान बारिश के दौरान रोजमर्रा की तरह सब्जी मंडी से सब्जियां लेकर अपने घर की ओर लौट रहे थे, रास्ते में कावाखेड़ा चौकी के निकट नाले की दीवार टूटी हुई थी जहां बरसाती पानी भरा होने के चलते वह पैर फिसलने के कारण नाले में जा गिरे। तत्काल मौके पर मौजूद लोगों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण बचाया नहीं जा सका। इसके बाद पुलिस और प्रशासन को इसकी सूचना दी गई।

मौके पर पहुंचे कोतवाल गजेंद्र सिंह नरूका और एसडीआरएफ की टीम ने शिवचरण की तलाश शुरू की। रात ज्यादा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया। इसके बाद गुरुवार को सुबह फिर से अभियान शुरू हुआ तो घटनास्थल से कुछ दूरी पर कचरे के ढेर में फंसी शिवचरण की लाश मिली। इसके बाद समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया और आक्रोशित लोगों ने स्थानीय पार्षद शिव प्रकाश घावरी के नेतृत्व में एमजी हॉस्पिटल मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

उनका कहना था कि कई बार नाले की दीवार टूटी होने की शिकायत नगर निगम और प्रशासन से की जा चुकी है, लेकिन इस और ध्यान नहीं दिया गया जिसके चलते शिवचरण को अपनी जान गंवानी पड़ी। आक्रोशित वाल्मीकि समाज के लोगों ने मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा और दोषी अधिकारी, कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। फिलहाल देर शाम तक प्रदर्शन जारी रहा और पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी समझाइश के प्रयास में जुटे रहे।

- आक्रोशित समाज के लोगों ने दोषी अधिकारी, कर्मचारियों पर कार्रवाई के साथ ही उचित मुआवजे की मांग की

राजमहल गांव में बजरी माफिया ने ट्रैक्टर ट्रॉली से कुचलकर युवक की हत्या की

देवली, (निसं)। देवली उपखंड क्षेत्र के राजमहल गांव में बुधवार रात कथित तौर पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचलकर की गई हत्या के मामले में गुरुवार को धरने पर बैठे ग्रामीण और परिजन आक्रोशित हो उठे। हत्या की घटना से नाराज ग्रामीणों में शामिल पुरुष और महिला और युवकों ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के हाथापाई करते हुए मारपीट शुरू कर दी और पुलिस कर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटना शुरू कर दिया। वहीं घटना धरना स्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर पथराव भी किया। ऐसे मे ग्रामीणो के आक्रोश के आगे पुलिस और प्रशासन अधिकारियों को वापस लौटना पड़ा। उक्त दौरान कई पुलिसकर्मियों ने भाग कर अपनी जान बचाई। इससे पहले स्थानीय विधायक राजेंद्र गुर्जर, उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मीणा, पुलिस उपाधीक्षक रामसिंह, थाना प्रभारी दौलतराम गुर्जर ने इस मामले में ग्रामीणों से खूब समझाईश की, लेकिन युवक की हत्या से नाराज ग्रामीण मृतक के परिजन को बड़ी आर्थिक सहायता दिलाने, सरकारी नौकरी देने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे हैं।

पुरुष-महिलाओं ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से हाथापाई की।

हालांकि, इस दौरान पुलिस के अधिकारियों ने मृतक युवक के परिजनों की ओर से दी जाने वाली हर रिपोर्ट पर सख्त कार्रवाई करने के लिए कार्रवाई करने के लिए तैयार थे बावजूद इसके ग्रामीण और पुलिस अधिकारियों के बीच समझौता समझौता नहीं हुआ और वार्ता सफल रही। हत्या की इस घटना से आक्रोशित महिलाओं ने गुरुवार को सुबह दस बजे बाद देवली बीसलपुर राजमहल मार्ग को पूरी तरह बंद कर दिया। इस दौरान उपखंड क्षेत्र के दूनी थाने के हेडकांस्टेबल समेत पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई शुरू कर दी और पुलिसकर्मियों को पीटने लगे। इसी तरह दूसरी तरफ एक सहायक उप निरीक्षक को भी ग्रामीणों ने बंदी बनाने की कोशिश की, लेकिन देवली प्रधान बनवारी लाल जाट ने मुखरता के साथ इसका विरोध किया और सहायक उप निरीक्षक को सुरक्षित निकाला। ग्रामीणों के गुस्से और आक्रोश को देखते हुए उपखंड अधिकारी पुलिस उपाधीक्षक समेत अधिकारी वापस लौट गए।

उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मीणा का कहना है कि युवक की मौत के बाद ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की जा रही है। परिजन अपनी मांग पर अड़े हैं। फिलहाल ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा मोटाराम बेनीवाल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत करने की कोशिश करते रहे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम बेनीवाल ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने देवली वृत्त अधिकारी कार्यालय में भी अधीनस्थ अधिकारियों से मामले की जानकारी ली।

उल्लेखनीय है कि बुधवार रात राजमहल निवासी पप्पू गुर्जर की बजरी की ट्रैक्टर ट्रॉली से कुचलने के बाद मौत हो गई थी। पप्पू गुर्जर के परिजनों का आरोप है कि बजरी माफिया की ट्रैक्टर ट्रॉली चालक ने पप्पू गुर्जर की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या की है। यह घटना राजमहल ग्राम के वनपाल नाका कार्यालय के पास हुई है। विवाद की वजह अवैध बजरी खनन और परिवहन से जुड़ा हुआ है। इस मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों ने पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी की और बजरी माफिया और पुलिस के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि बजरी माफिया और पुलिस साथ में मिलकर बजरी का अवैध कारोबार कर रहे हैं। इस मामले में देर शाम तक परिजन और ग्रामीणों ने मृतक युवक के शव को धरना स्थल पर रखे हुए अपनी मांगों पर अड़े हुए प्रदर्शन कर रहे हैं।

- घटना से नाराज ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस कर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा
- ग्रामीणों के आक्रोश के आगे पुलिस कर्मियों ने भाग कर जान बचाई

कोर्ट की अवमानना मामले में कलेक्टर व यूआईटी सचिव तलब

भीलवाड़ा, (निसं)। यूआईटी की रियायती दरों पर भूखंड आवंटन योजना में एक और पेचीदगी सामने आई है। पहले कोर्ट की ओर से स्थगन आदेश जारी किए गए और अब इसी स्थगन आदेश की अवमानना करने पर कोर्ट ने यूआईटी प्रशासक (कलेक्टर) और यूआईटी सचिव को तलब किया है।

पिछले दिनों यूआईटी सचिव ललित गोयल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कोर्ट की ओर से पूर्ण स्थगन नहीं है। यह अस्थाई स्थगन है। इसको लेकर जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश शर्मा ने अवमानना याचिका दायर की थी। इस पर कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए कलेक्टर जसमीत सिंह संधू और यूआईटी सचिव ललित गोयल को 22 जुलाई को व्यक्तिगत कोर्ट में पेश होने का आदेश जारी कर दिया है। यानी अब रियायती भूखंड योजना को लेकर कोर्ट नरमी बरतने के मूड में नहीं है।

मामला वकीलों के अधिकारों से जुड़ा है, जिसमें यूआईटी की इस योजना के तहत वकीलों ने 5 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की थी। सात दिन पूर्व कलेक्टर और सचिव को चेताया भी गया था कि वकीलों के आरक्षण के संबंध में स्थिति स्पष्ट की जाएं, लेकिन कोई पुख्ता फैसला नहीं होने पर मामला कोर्ट तक पहुंच गया। कोर्ट ने लॉटरी प्रक्रिया पर स्थगन आदेश जारी कर दिया। कोर्ट के स्थगन आदेश को अस्थाई स्थगन आदेश बताकर आईएएस गोयल ने एक और विवाद खड़ा कर दिया है। अब कोर्ट ने इसमें सख्ती दिखाते हुए कलेक्टर और सचिव दोनों को तलब किया है।

- यूआईटी की रियायती दरों पर भूखंड आवंटन योजना विवादों में

किराना व्यापारी पर 15-20 बदमाशों ने हमला किया, मौत

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले के घड़साना में 15-20 बदमाशों ने एक किराना व्यापारी पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में व्यापारी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे घड़साना के सरकारी अस्पताल से बीकानेर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान व्यापारी की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए मना कर दिया और घड़साना पुलिस थाने के सामने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दे दिया। घटना गांव 2 एसटीआर में बुधवार रात की है।

डीएसपी प्रशांत कौशिक ने बताया कि सूचना मिली कि गांव 2 एसटीआर में किराना व्यापारी बग्गा सिंह (47) पर 15-20 बदमाशों ने हमला कर दिया। हमले के बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। वहीं हमलावरों की एक देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस मौके पर ही रह गया। हमले में बग्गा सिंह गम्भीर रूप से घायल हो गया, जिसे घड़साना के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, मगर बग्गा सिंह की हालत गंभीर होने के कारण उसे बीकानेर के लिए रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान बग्गा सिंह की मौत हो गई। सूचना मिलने पर घड़साना पुलिस बीकानेर की पीबीएम हॉस्पिटल पहुंची। वहीं परिजनों ने बग्गा सिंह के शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए मना कर दिया और घड़साना पुलिस थाने के सामने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दे दिया। वहीं एएसपी सुरेंद्र कुमार घटना की जानकारी मिलते ही मौके पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना किया। बग्गा सिंह के परिजनों ने बताया कि गांव 2 एसटीआर में बग्गा सिंह किराने की दुकान चलाते थे। कुछ शराब ठेकेदारों के साथ बग्गा सिंह का विवाद चल रहा था, इसी कारण से देर रात बदमाशों ने बग्गा सिंह पर हमला कर दिया। बदमाशों ने मौके पर फायरिंग करते हुए बग्गा सिंह से बुरी तरह से मारपीट की। इस कारण से बग्गा सिंह की मौत हो गई।

वार्ड पंच और बग्गा सिंह के पड़ोसी लक्ष्मण (32) पुत्र जयपाल ने बताया कि बग्गा सिंह के 4 बेटियां और 2 बेटे है। बग्गा सिंह गांव में ही किराने की दुकान का काम करता था। बग्गा सिंह की चारों बेटियों की शादी हो चुकी है। बड़ा बेटा मजदूरी करता है और छोटा बेटा किराने की दुकान पर ही अपने पिता की मदद करता था। उन्होंने बताया कि उनके गांव में कालका वाइंस की अवैध ब्रांच चल रही है और शराब ठेकेदारों को शक था कि बग्गा सिंह अपनी दुकान पर अवैध शराब बेचता है। इस कारण से शराब ठेकेदारों और बग्गा सिंह में विवाद चल रहा था।

डीएसपी प्रशांत कौशिक ने बताया कि अभी तक फायरिंग की पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस के द्वारा हमलावरों को गिरफ्तार करने के लिए उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। वही शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए पुलिस अधिकारियों के द्वारा परिजनों से समझाइश भी की जा रही है मगर परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं।

बग्गा सिंह की बेटी ने बताया कि हमलावरों ने पहले उसके भाई के साथ मारपीट की थी, जिसकी सूचना घड़साना पुलिस थाने में भी दी गई थी। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया और सूचना देने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। कुछ देर बाद हमलावर वापस आए, जिस समय हमलावर वापस आए तो वह अपनी बहन और पापा के साथ घर पर ही थी। हमलावर उसके पापा को खींचकर ले जाने लगे। जब उन्होंने रोकने का प्रयास किया तो हमलावरों ने उन्हें धक्के मारकर दूर कर दिया। हमलावरों ने उसके पिता को भी बुरी तरह पीटा। शोर मचाने पर जब अन्य लोग उसके पिता को छुड़ाने आए तो हमलावरों ने उन पर भी कांच की बोतलों से हमला कर दिया। मृतक की बेटी ने आरोप लगाया है कि पुलिस को सूचना देने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

एडिशनल एसपी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक बग्गा सिंह का शराब ठेकेदार के साथ अवैध शराब की बिक्री को लेकर विवाद था। बुधवार रात हुई लड़ाई में बग्गा सिंह के चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई है। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए घड़साना एसएचओ महावीर प्रसाद बीकानेर गए हुए हैं। एएसपी ने बताया कि जब मौका मुआयना किया गया तो पता चला कि वहां एक पिस्तौल और चला हुआ कारतूस मिला है। जांच में स्पष्ट हो पाएगा कि यह पिस्तौल और कारतूस किसका है। परिजनों ने 3 आरोपियों को नामजद करते हुए मामला दर्ज करवाया गया है, उनकी पहचान कर ली गई है। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

- परिजनों ने घड़साना थाने के सामने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दिया
- हमले के बाद बदमाश मौके से फरार, हमलावरों की एक देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस मौके पर ही रह गया
- प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक बग्गा सिंह का शराब ठेकेदार के साथ अवैध शराब की बिक्री को लेकर विवाद था

आर्मी कमाण्डर ने "तनोट ब्रिगेड" एवं "रसेल वाइपर्स" का दौरा किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदरसिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड ने "तनोट ब्रिगेड" एवं "रसेल वाइपर्स" का दौरा किया। इस अवसर पर उन्हें संचालित विभिन्न ऑपरेशनल, प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक पहलों की विस्तृत जानकारी दी गई।

पीआरओ आर्मी राजस्थान ले. कर्नल निखिल धवन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आर्मी कमांडर ने सभी रैंकों द्वारा प्रदर्शित उच्चतम स्तर की पेशेवर दक्षता, समर्पण एवं संचालन तत्परता की सराहना की। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में ऑपरेशनल प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु फार्मेशन के निरंतर प्रयासों और उत्कृष्ट योगदान की भी प्रशंसा की। इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदरसिंह ने ब्रिगेड द्वारा उठाए गए आगामी सोच वाले नवाचार प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया, जिनमें ड्रोन इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, तकनीकी समावेशन के उपाय तथा इंटीग्रेटेड हेल्थ सेंटर की स्थापना शामिल है।

इन पहलों ने ऑपरेशनल क्षमताओं के साथ-साथ सैनिक कल्याण को भी सशक्त किया है। आर्मी कमांडर ने सभी रैंकों के साथ बातचीत करते हुए उन्हें बदलती युद्ध प्रणाली के अनुरूप सदैव तैयार रहने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बल दिया कि सभी रैंक अपने प्रशिक्षण मानकों की नियमित समीक्षा करें तथा युद्ध अभ्यासों, टैक्टिक्स, टेक्नीक्स, प्रक्रियाओं और अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी दक्षता में निरंतर सुधार लाएं।

आर्मी कमांडर ने फार्मेशन की क्षमताओं पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए सभी पदों के अदम्य साहस, निष्ठा और टीम भावना की सराहना की, जो कमांड स्तर के सभी अभियानों और लक्ष्यों की सफल पूर्ति में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। यह दौरा सप्त शक्ति कमांड की ऑपरेशनल तत्परता, नवाचार और सैनिक कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक रहा।

- लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदरसिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड को विभिन्न ऑपरेशनल, प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक पहलुओं की जानकारी दी

राणाप्रताप सागर और जवाहर सागर बांध से पानी की निकासी जारी

कोटा, (निसं)। चंबल नदी पर बने राणाप्रताप सागर बांध और जवाहर सागर बांध से लगातार पानी छोड़े जाने के चलते कोटा चंबल में भारी मात्रा में पानी पहुंच रहा है। इसको देखते हुए कोटा बैराज से भी लगातार पानी की निकासी की जा रही है। कोटा बैराज में लगातार पहुंच रहे पानी के चलते चंबल नदी के पानी में गंदलापन और चिकनाहट बढ़ गई है, जिसका प्रभाव शहर के लिए जलापूर्ति कर रहे जल शोधन संयंत्र पर भी पड़ रहा है। इसके कारण जल शोधन संयंत्र पूर्ण क्षमता से कार्य नहीं कर पा रहे हैं, जिस कारण शहर में पेयजल आपूर्ति डगमगाने लगी है। चम्बल नदी में टर्बीडिटी (गंदलेपन) में वृद्धि होने के कारण 650 एनटीयू तक पहुँच गई है। शहरी जल योजना कोटा के मुख्य जल उत्पादन केंद्र अकलेगढ़ पर आने वाले कच्चे पानी में टर्बिडिटी (गंदलापन) अत्यधिक मात्रा में बढ़ गया है। इसके कारण पीला एवं चिकना पानी आ रहा है जिससे जल शोधन प्रक्रिया गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। उक्त स्थिति के कारण अकलेगढ़ जल शोधन केंद्र की शुद्ध पेयजल उत्पादन क्षमता लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गई है, जिससे वर्तमान में सामान्य पेयजल आपूर्ति बनाए रखना कठिन हो गया है। इसी तरह जल शोधन संयत्र सकतपुरा पर जलशोधन क्षमता प्रभावित होने से 50 प्रतिशत जल उत्पादन ही हो पा रहा है।

जैसलमेर में बरसात से राहत

जैसलमेर, (निसं)। मौसम विभाग के आंकलन अनुसार गुरुवार को बरसात शुरू हुई, जिससे गल्ली मौहल्लों में घरों के परनाले चलने लगे। इसी दौरान किले की अखेप्रोल के गेट के पास दीवार में पानी रिसने लगा, जिससे राहगीरों को दीवार से खतरे की आशंका हुई। राहगीर पुरूषोत्तमदास ने बताया कि अखेप्रोल गेट के समीप बरसात के मौसम में मरम्मत कार्य करवाना बड़े हादसे को निमंत्रण देना है। पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को इसकी सुध लेने की अति आवश्यकता है।

300 करोड़ का जमीन घोटाला, सालभर पुराने रजिस्टर में एंट्री कर 55 साल पुराने पट्टे बनाए

बीकानेर, (निसं)। शहर में जमीन के फर्जीवाड़े का बड़ा खेल सामने आया है। खास बात ये है कि ये पट्टे 55 साल पुराने हैं, लेकिन जिस रजिस्टर में इनकी एंट्री है वो साल भर पुराना है। ये सारे पट्टे यूआईटी से भी पहले के हैं, जब सिटी इंप्रूवमेंट कमेटी शहर की जिम्मेदारी संभालती थी, तब पट्टों की एंट्री रजिस्टर में होती थी। 1970 के सारे रजिस्टर जर्जर हो चुके हैं, लेकिन जिस रजिस्टर में 40 पट्टे दर्ज किए गए उसके पन्ने और स्याही नई है। यहां तक कि दस्तखत के ऊपर दस्तखत किए गए। पट्टों में जो मिसल यानी दस्तावजों की जो चेन बताई गई वह बीडीए के दस्तावेजों से मैच नहीं हो रही। फर्जीवाड़े वाली इन प्लॉट की कीमत 300 करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी जा रही है। कमेटी की सिफारिस पर बीडीए ने एफआईआर दर्ज करवाई है।

बीडीए की पकड़ में ये मामला अप्रैल में आया था। उसके बाद बीडीए ने कलेक्टर के सामने सारे तथ्य रखे। कलेक्टर ने बीडीए सचिव कुलराज मीणा, निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा, एडीएम सिटी रमेश देव, प्रोग्रामर यतिन सोइन, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी अश्विनी कुमार आचार्य और अभिलेखागार विभाग के निदेशक नितिन गोयल की एक कमेटी बनाई। कमेटी से रजिस्टर, जमीन और पट्टों की सत्यता जांचने के लिए कहा। 30 जून को कमेटी ने रिपोर्ट तैयार कर बीडीए कमिश्नर और कलेक्टर को सौंपी। कमेटी ने साफ कहा कि 1970 से पहले के रजिस्टर में दर्ज पट्टों वाला रजिस्टर ना तो इतना नया हो सकता है। ना ही लिखावट नई हो सकती है। रजिस्टर पर क्रमांक नंबर भी नहीं। कई जगह सील नहीं है। इन 40 पट्टों की बीडीए के पास तो मिसल यानी चेन तो है, मगर रजिस्टर में दर्ज मिसल से मेल नहीं खाती। ऐसे में ये पट्टे फर्जी हैं। इस रजिस्टर से लेकर पट्टों की फोरेंसिक जांच होनी चाहिए। इसके लिए एफआईआर करानी अनिवार्य है। इतने बड़े खेल की शुरुआत एक मामूली से अतिक्रमण को हटाते वक्त हुई। दरअसल शहर में एक अतिक्रमण हटाने के लिए बीडीए का दल पहुंचा। वहां पर काबिज एक व्यक्ति ने सीईसी यानी सिटी इंप्रूवमेंट कमेटी जो यूआईटी बनने से पहले थी, के नाम का पट्टा दिखाया। बीडीए हैरान हो गया कि इतना पुराना पट्टा। दल ने अधिकारियों को सूचित किया। अधिकारियों ने उस पट्टे की छानबीन की तो फर्जी रजिस्टर में उसका नाम देखा। तब उस रजिस्टर में दर्ज सारे पट्टों को देखा। तब लगा ये तो पूरा रजिस्टर ही फर्जी बनाया गया। करीब 65 से 70 साल पुराना रजिस्टर और उसका पन्ना नया। स्याही भी ताजी। सीईसी के विकास अधिकारी के हस्ताक्षर के ऊपर हस्ताक्षर, लिखावट भी नई। तब मामला कलेक्टर को बताया और उसके बाद कमेटी ने एक-एक कर सारी परतें उखाड़ दी।

- 1970 के सारे रजिस्टर जर्जर हो चुके हैं, लेकिन जिस रजिस्टर में 40 पट्टे दर्ज किए गए उसके पन्ने व स्याही नई है

बालोतरा में बरसात हुई

बालोतरा,(निसं)। बालोतरा सहित क्षेत्र में मौसम अचानक बदल गया। तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हुई। झमाझम बारिश से शहर की सड़कों पर पानी भर गया। वहीं भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। बारिश होने से किसानों के चेहरों पर रौनक दिखी। बालोतरा शहर के मुख्य बाजार सहित निचली बस्तियों में पानी ही पानी दिखने लगा। अंडरपास में पानी भरने से यातायात व्यवस्था बिगड़ गई। ओवरब्रिज पर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई। यातायात पुलिस ने सुचारू व्यवस्था को लेकर मोर्चा संभाला। दो स्थानों पर बिजली गिरने की भी सूचना मिली। बरसात से बेहाल ड्रेनेज सिस्टम, टाउन प्लानिंग की पोल खोल दी। मानसून की पहली ही बारिश में आधे घंटे में सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया।

क्षतिग्रस्त कमरों को लेकर स्कूल गेट पर ताला जड़ा

छबड़ा (निसं)। उपखंड के कुछ सरकारी स्कूलों की हालत काफी दयनीय है। स्कूलों में बारिश के मौसम में छतों से पानी टपकता है। क्लास रूम में पानी आने से बच्चों के बैठने की जगह तक नहीं बचती। इतना ही नहीं स्कूल के चारों ओर पानी भर जाता है। इसके बाद भी शिक्षा विभाग के जिम्मेदार इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं। यह मामला तीतरखेडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का है। स्कूल के क्षतिग्रस्त कमरों की पीड़ा को लेकर गुरुवार को छात्राओं ने स्कूल गेट पर ताला जड़ दिया और जमकर प्रदर्शन किया। शिक्षकों व ग्रामीणों की समझाइश पर छात्राओं ने गेट का ताला खोला।

जानकारी के अनुसार 27 जून को तीतरखेड़ी गांव में आयोजित रात्रि चौपाल में भी ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर के समक्ष स्कूल के क्षतिग्रस्त कमरों की समस्या रखी थी। जिस पर जिला कलेक्टर ने क्षतिग्रस्त कमरों को शीघ्र ठीक करवाने का आश्वासन दिया था। परंतु एक सप्ताह बाद भी कोई सुधार नहीं होने पर छात्राओं ने स्कूल पर ताला जड़ शिक्षा विभाग व प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।

सरपंच प्रतिनिधि सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि तीतरखेड़ी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के कमरे क्षतिग्रस्त है। जिनके लिए विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने बजट स्वीकृत करवा दिया है। रमसा के माध्यम से शीघ्र ही कमरों का मरम्मत व निर्माण कार्य प्रारंभ हो सकेगा।